विद्या -भवन, बालिका विद्यापीठ ,लखीसराय

नीतू कुमारी, वर्ग -तृतीय, विषय -हिंदी' दिनांक-29-05-2021

एन.सी.ईआर.टी पर आधारित पाठ-4 शहीद भगत सिंह

आज की कक्षा में आपको शहीद भगत सिंह की जीवनी के बारे में जानना है-

भारतीय स्वतंत्रता की बलि-वेदी पर जिन सपूतों ने अपने प्राणों का बलिदान किया, उनमें सरदार भगत सिंह का नाम स्वर्ण अक्षरों में अंकित है। सरदार भगत सिंह का जन्म लायलपुर(जो अब पाकिस्तान में है) में 27दिसम्बर1907 को हुआ था। उनकी माता का नाम विद्यावती और पिता का नाम किशन सिंह था।

जिस समय भगत सिंह का जन्म हुआ था, उस समय हमारे देश पर अंग्रेजों का शासन था। पूरे देश में अंग्रेजी शासन के खिलाफ आंदोलन चल रहा था। भगत सिंह के जन्म के समय उनके पिता लाहौर के सेंट्रल जेल में बंद थे। भगत सिंह के माता विद्यावती ने उनका लालन- पालन बड़ी ही प्यार-दुलार से किया। देशप्रेम की भावना से ओत --प्रोत इनके परिवार के वातावरण ने भगत सिंह के मन पर गहरा असर डाला, इस कारण उनमें बचपन से ही क्रांतिकारी भावनाओं ने जन्म लिया था।

भगत सिंह के जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बड़ा रोचक है जिससे उनके बचपन से ही वीर और साहसी होने का पता चलता है।

एक बार भगत सिंह अपने पिता के साथ कहीं जा रहे थे। रास्ते में पिता के एक घनिष्ठ मित्र मिल गए जो खेत में बुवाई का काम रहे थे। उनके पिता मित्र से बातचीत करने लगे तो भगत सिंह खेत में छोटे-छोटे तिनके रोपने लगे। बालक के इस कार्य को देखकर पिता ने पूछा-यह क्या कर रहे हो भगत सिंह? बालक ने उत्तर दिया-"बंदूके बो रहा हूं।

गृह कार्य---

दिए ,गए अध्ययन- सामग्री को पूरे मनोयोग से पढ़ें तथा समझने का प्रयास करें।

और कठिन शब्द चुनकर लिखें।